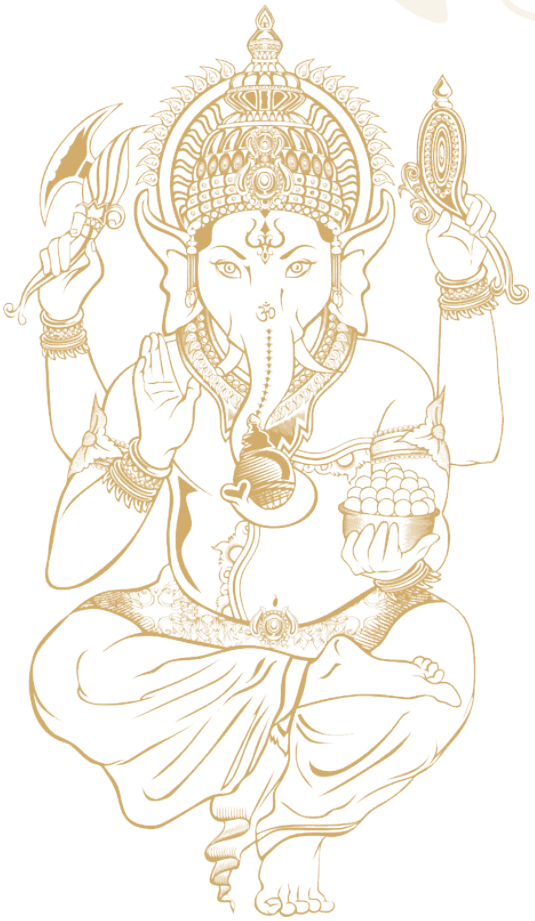

Yash Astha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120895004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/05/1999	जन्म तिथि	7-08/12/1998
गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 11:25:00	जन्म समय	05:07:00 घंटे
घटी 14:37:51	जन्म समय(घटी)	55:15:35 घटी
India	देश	India
Muzaffarnagar	स्थान	Muzaffarnagar
29:28:00 उत्तर	अक्षांश	29:28:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:33:51	सूर्योदय	07:00:46
18:57:42	सूर्यास्त	17:20:22
23:50:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 5वर्ष 5मा 9दि	14:31:23	कर्क	लग्न	तुला	26:35:45	बुध 13वर्ष 4मा 13दि
मंगल	21:26:03	मेष	सूर्य	वृश्चि	21:49:13	शुक्र
14/10/2020	23:02:16	धनु	चंद्र	कर्क	19:30:45	22/04/2019
15/10/2027	06:02:06	तुला व	मंगल	कन्या	12:00:16	22/04/2039
मंगल 12/03/2021	01:34:24	मेष	बुध व	वृश्चि	08:26:34	शुक्र 22/08/2022
राहु 31/03/2022	25:32:43	मीन	गुरु	कुंभ	25:20:02	सूर्य 22/08/2023
गुरु 07/03/2023	03:25:28	मिथु	शुक्र	धनु	01:24:14	चन्द्र 22/04/2025
शनि 14/04/2024	14:01:47	मेष	शनि व	मेष	03:21:24	मंगल 22/06/2026
बुध 12/04/2025	23:36:44	कर्क व	राहु व	सिंह	00:50:52	राहु 22/06/2029
केतु 08/09/2025	23:36:44	मक व	केतु व	कुंभ	00:50:52	गुरु 21/02/2032
शुक्र 08/11/2026	22:50:51	मक	हर्ष	मक	16:00:23	शनि 22/04/2035
सूर्य 16/03/2027	10:31:26	मक	नेप	मक	06:25:47	बुध 20/02/2038
चन्द्र 15/10/2027	15:56:04	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:22:45	केतु 22/04/2039

लग्न-चलित

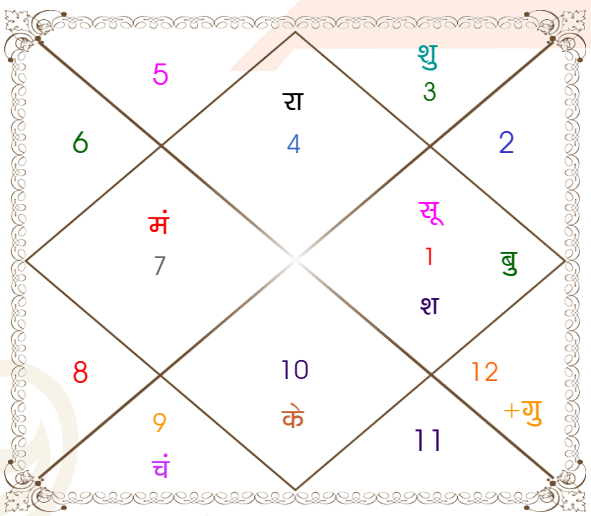

लग्न-चलित

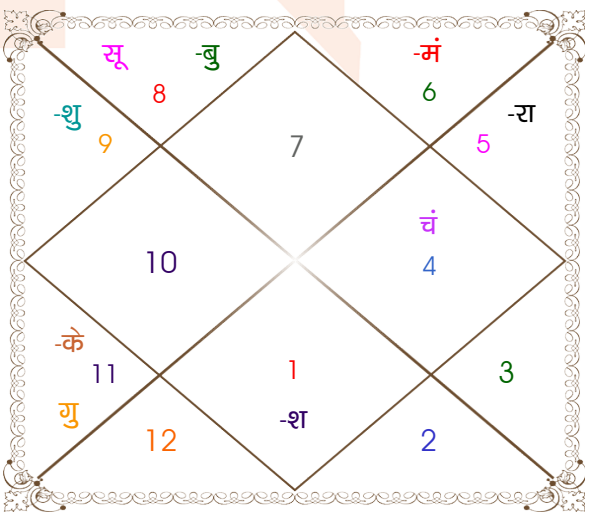

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Yash का वर्ग मूषक है तथा Astha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yash और Astha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Yash मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Astha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Astha कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Astha कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

Yash तथा Astha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।